

2017/00124

(11)

शांति / देवाराज

17-1-18

श्री
श्री

वकील आग्रह उपर/ प्रार्थना पत्र 01 R10 CPC पर बहान
 दुबरी/ आग्रह पत्र करी ने प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने
 पर उत्तराधिकारी को। प्रार्थना पत्र 01 R10 CPC स्वीकार
 किया जाता है। वकीलवादी द्वारा साथ ही संशोधित शीर्षक
 पेश किया। प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव पर आग्रह पत्र को
 सुना गया आराजी बलया नम्बर 57 में तो 1/2 हिस्सा
 मोन देवी को देना है। पत्नी के नाम किया गया है। इसलिए
 विभाजन प्रस्ताव में देवाराज के हिस्से के आर आराजी
 बलया नं. 57/2 रजवा 13 विस्था को मोन देवी को देना को
 दिये जाये पर महामति जोहर को। साथ अतिरिक्त भी
 किया जाता है। विस्था निर्वाह प्रथम से लिखाया जाकर
 शाब्दिक किया गया। फावली को जाल गुंजा होकर दाखिल
 प्रस्तुत हो।

श्री